भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3967
दिनांक 19 दिसंबर, 2024

तेल आयात को कम करने के लिए 2जी एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा

†3967. श्री टी. एम. सेल्वागणपति :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार तेल आयात को कम करने के लिए 2जी एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने और एंजाइम विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना करने पर विचार कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारत को वर्ष 2025-26 तक प्रतिवर्ष लगभग 13.5 बिलियन लीटर एथनॉल की आवश्यकता होगी और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या यह सच है कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सभी तेल विपणन कंपनियों को एथनॉल विनिर्माण हेतु संयंत्र स्थापित करने की सलाह दी है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): सरकार ने देश में एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लिग्नोसैल्युलोसिक बायोमास तथा अन्य नवीकरणीय फीड स्टॉक के प्रयोग से उन्नत जैव ईंधनों संबंधी परियोजनाओं की शुरुआत करने हेतु एकीकृत जैव-एथेनॉल परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए "प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" 2019, अधिसूचित की है, जिसे वर्ष 2024 में संशोधित किया गया। योजना के तहत वर्ष 2018-19 से वर्ष 2028-29 की अवधि के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 1969.50 करोड़ रुपए है जिसमें से सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए 908 करोड़ रुपए से भी अधिक की वित्तीय सहायता का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) दूसरी पीढ़ी (2जी) एंजाइम के उत्पादन के लिए स्वदेशी प्रक्रिया का विकास कर रही है। इसके साथ ही, जैव-प्रौद्योगिकी विभाग सैल्युलोलिटिक एंजाइम सहित स्वदेशी 2जी एथेनॉल प्रौद्योगिकियों के

विकास को केंद्रित करते हुए अनुसंधान तथा उन्नयन संबंधी परियोजनों का समर्थन भी कर रहा है। पहली पीढ़ी (1जी) एथेनॉल के लिए एंजाइम का निर्माण घरेलू रूप से किया जा रहा है।

(ग): भारत में एथेनॉल मिश्रण हेतु वर्ष 2020-25 के लिए रोडमैप के अनुसार एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 में एथेनॉल की कुल अनुमानित आवश्यकता 1350 करोड़ लीटर की है, जिसमें एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत 1016 करोड़ लीटर एथेनॉल हेतु शामिल है।

(घ) और (ड.): एथेनॉल उत्पादन संयंत्रों की स्थापना मुख्यत: उद्यमियों/ कंपनियों/ सहकारिता समितियों आदि द्वारा अपनी निवेश योजनाओं के अनुसार परियोजना की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए की जाती है। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पीएम जी-वन योजना के तहत पांच वाणिज्यिक दूसरी पीढ़ी संयंत्रों की स्थापना कर रही है। पीएम जी-वन योजना के तहत संयंत्रों के अलावा, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पहली पीढ़ी संबंधी दो एथेनॉल संयंत्रों की स्थापना बिहार के सुगौली और लौरिया में, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड पहली पीढ़ी संबंधी एक एथेनॉल संयंत्र की स्थापना ओडिशा के बारगढ़ में कर रहा है तथा आईओसीएल ने तीसरी पीढ़ी एथेनॉल संयंत्र की स्थापना हरियाणा के पानीपत में की है।

****